संस्थापक संपादक : विश्वदेव शर्मा

gujaratvaibhav.com

सन् : 1992

गुजरात वैभव

अहमदाबाद** गुरुवार, 5 जनवरी , 2023 वर्ष 31, अंक 52, पृष्ठ-12

मूल्य-रु 3/-

Registration No-54924/92.

पेज.08<< गोशालाओं के लिए बनाएं सेल्फ सस्टेनेबल मॉडल : सीएम योगी

पेज.06<< इसरो द्वारा असिस्टेंट, स्टेनोग्राफर की भर्ती

दूसरा टी20 आज :श्रीलंका के खिलाफ श्रृंखला जीतने उतरेगा भारत पेज.10 <<

केंद्रीय कैबिनेट का बड़ा फैसला, नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन को मंजूरी

भारत बनेगा ग्रीन हाइड्रोजन का वैश्विक हब

नई दिल्ली (वी.एन.झा)। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन को मंजूरी दे दी। इसका उद्देश्य

ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन, उपयोग और निर्यात के लिए भारत को एक वैश्विक केंद्र बनाना है। ग्रीन हाइड्रोजन मिशन धीरे-धीरे औद्योगिक, परिवहन और ऊर्जा क्षेत्रों के डीकार्बोनाइजेशन की ओर ले जाएगा। साथ ही आयात होने वाले जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता में कमी आएगी। पीएम मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को केंद्रीय कैबिनेट की बैठक हुई। इस दौरान कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने बताया कि आज नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंजूरी दे दी है। भारत ग्रीन हाइड्रोजन का ग्लोबल हब बनेगा। प्रतिवर्ष 50 लाख टन ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन होगा। उन्होंने बताया कि योजना के तहत 2030 तक सालाना 50 लाख टन हरित हाइड्रोजन का उत्पादन किया जाएगा। क्रेता-विक्रेताओं को एक छत के नीचे लाने के लिए हरित हाइड्रोजन केंद्र विकसित किया जाएगा। देश में इलेक्ट्रोलाइजर विनिर्माण को लेकर पांच साल के लिए प्रोत्साहन दिया जाएगा। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने बताया कि 60-100 गीगावाट की इलेक्ट्रोलाइजर क्षमता को तैयार किया जाएगा। इलेक्ट्रोलाइजर की मैन्युफैक्चरिंग और ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन पर 17,490 करोड़ प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। ग्रीन हाइड्रोजन के हब को विकसित करने के लिए 400 करोड़ का प्रावधान किया है। (शेष पृष्ठ 03 पर)

मुंबई पहुंचे मुख्यमंत्री योगी, बोले, धर्म के प्रदेश से अर्थ के प्रदेश में आया हूं

आत्मविश्वास के साथ आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है उत्तर प्रदेश : योगी

मुंबई में प्रवासी उत्तर प्रदेश वासियों से हुआ मुख्यमंत्री का संवाद, योगी ने दिया इन्वेस्टर्स समिट का निमंत्रण

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि नए भारत का नया उत्तर प्रदेश चुनौतियां देख पलायन नहीं करता, सामना करता है। सदी के सबसे बड़ी महामारी कोरोना के दौरान जब प्रवासियों के समक्ष पलायन का संकट आया तो उत्तर प्रदेश ने सबको सहारा दिया। प्रवासी हो या निवासी सबकी सुरक्षा सुनिश्चित की गई। मुम्बई में उत्तर प्रदेश मूल के लोगों से संवाद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में आज का उत्तर प्रदेश आत्मविश्वास से भरा है और आत्मनिर्भर होने की ओर अग्रसर है। उत्तर प्रदेश को 1 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनाने का बड़ा लक्ष्य लेकर जारी मुहिम के तहत बुधवार को देश की आर्थिक राजधानी मुंबई पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने दो दिनी दौरे की शुरुआत प्रवासी उत्तर प्रदेश वासियों के साथ संवाद से की। मुख्यमंत्री को सामने देख उत्साह से भरे प्रवासी जनों से मुख्यमंत्री ने कहा कि बीते 5-6 वर्षों में उत्तर प्रदेश में हुए बदलाव के आप सभी साक्षी रहे हैं। 5 वर्ष पहले जिस उत्तर प्रदेश के सामने पहचान का संकट था, आज विकास की नई कहानी कह रहा है। आजमगढ़ के लोगों को इसी मुम्बई में धर्मशाला तक नहीं मिलती थी, आज उसी आजमगढ़ में एयरपोर्ट और यूनिवर्सिटी बन रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब उत्तर प्रदेश का युवा अपनी पहचान छिपाने को विवश नहीं है, गौरव के साथ कहता है मैं उत्तर प्रदेश वाला हूं। उत्तर प्रदेश के बदलाव के प्रयासों को साझा करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 2017 के पहले प्रदेश ने बेटियां सुरक्षित नहीं थीं, गरीब और व्यापारी असुरक्षा के संकट से घिरे थे। सरकार गठन के साथ हमने सबसे पहले दो विषयों पर फोकस किया। सबसे पहले बेटियों की सुरक्षा सुनिश्चित की और तय किया कि प्रदेश में कोई भी अवैध गतिविधि संचालित नहीं होगी। और फिर, अवैध स्लॉटर हाउस हों या गरीबों के जमीन पर अवैध कब्जे, सब बंद हुए। हमने एंटी भूमाफिया टास्क फोर्स बनाया, अवैध रूप से कब्जा भूमि छुड़ाई गई आज वहां विकास की अनेक परियोजनाएं चल रही है। सीएम ने कहा कि जब हमने बेटियों की सुरक्षा के लिए काम किया तो कुछ लोगों ने हमारी सोच पर सवाल खड़े किए, लेकिन जब चुनाव का समय आया तो इन्हीं सुरक्षित माताओं-बहनों और बेटियों ने प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों पर अपना विश्वास जताया। (शेष पृष्ठ 03 पर)

जम्मू-कश्मीर के दो जिलों में सीआरपीएफ के 1800 अतिरिक्त जवानों की होगी तैनाती

राजौरी में आतंकी हमले के बाद केंद्र का फैसला

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में लगातार हो रही टारगेट किलिंग को देखते हुए केंद्र सरकार ने सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स की 18 अतिरिक्त कंपनियां तैनात करने का फैसला किया है। बता दें कि नए साल के पहले दिन ही आतंकियों ने राजौरी में 7 हिन्दुओं के घर में घुसकर हत्या कर दी थी। इनमें दो बच्चियां भी शामिल थीं। इसके बाद केंद्र सरकार ने इन कंपनियों को भेजने का फैसला किया है। इन्हें राजौरी और पुंछ में तैनात किया जाएगा। 18 अतिरिक्त कंपनियों में 1800 सुरक्षाकर्मी शामिल होंगे। इनमें से 10 कंपनियां दिल्ली से और बाकी की 8 कंपनियां आसपास के राज्यों से भेजी जाएंगी।

गोवा का इंटरनेशनल एयरपोर्ट अब पूर्व सीएम मनोहर पर्रिकर के नाम किया जाएगा